भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 686
दिनांक 06 फरवरी, 2024

पशुओं के आहार के संबंध में आईसीएआर द्वारा परामर्श

686. श्री वी.के. श्रीकंदन:

क्या **कृषि और किसान कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या आईसीएआर-केंद्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान ने केरल के इडुक्की में हाल ही में एक फार्म में 13 गायों की मौत की घटना के मद्देनजर जानवरों को कसावा (टैपियोका) के कुछ भागों को खिलाने के लिए परामर्श जारी किया है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या आईसीएआर-केंद्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान अन्य पौधों पर भी शोध कर रहा है जिनमें सायनोजेनिक ग्लूकोसाइड्स नामक यौगिक होते हैं; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री
(श्री अर्जुन मुंडा)

(क) एवं (ख): केरल राज्य के इडुक्की जिले में कसावा के छिलकों से युक्त आहार के उपयोग के बाद गायों की मृत्यु को ध्यान में रखते हुए आईसीएआर-केंद्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान द्वारा एडवाइजरी जारी की गई है जिसमें कसावा (टैपिओका प्लांट) के हिस्सों को पशु आहार में किस प्रकार उपयोग करना है, इस बारे में जानकारी दी गई है और इसे मुख्य समाचार पत्रों में प्रकाशित किया गया है तथा वैबसाइट पर अपलोड भी किया गया है।

इस एडवाइजरी में पशुओं के आहार में कसावा पादप के विभिन्न हिस्सों का उपयोग करते समय सावधानी बरतने के बारे में जानकारी दी गई है क्योंकि इसमें सायनोजेनिक ग्लूकोसाइड्स नामक विषाक्त यौगिक शामिल होता है।

(ग) एवं (घ): आईसीएआर-केंद्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान ने सायनोजेनिक ग्लूकोसाइड्स नामक यौगिक युक्त अन्य पादपों पर अनुसंधान नहीं किया है।

****